कबीर की वाणी से सजी साहित्यिक शाम

वनमाली कथा सम्मान में सृजन का उत्सव

भोपाल, 24 फरवरी. स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय के मुक्ताकाश मंच पर आयोजित राष्ट्रीय वनमाली कथा सम्मान समारोह- 2026 साहित्य और संस्कृति का जीवंत उत्सव बनकर सामने आया. कार्यक्रम में न केवल सम्मान समारोह बल्कि समकालीन कथा साहित्य के प्रति प्रतिबद्धता का सार्वजनिक उत्सव देखने को मिला.

समारोह का शुभारंभ सुप्रसिद्ध कबीर गायक प्रह्लाद सिंह टिपाणिया की निर्गुण प्रस्तुति से हुआ. उन्होंने जग में मांगण हारा और गुरुजी के चरणों में रहना जैसे पदों को अपनी विशिष्ट लोक शैली में प्रस्तुत किया. वहीं तंबूरा और करताल के साथ उनकी साधना भरी आवाज ने वातावरण को

ध्यानमग्न बना दिया. संगत में ढोलक, वायलिन, हार्मोनियम और मंजीरे की सधी ताल ने प्रस्तुति को प्रभावी आयाम दिया.

मुख्य अतिथि के रूप में ज्ञानपीठ सम्मानित लेखिका प्रतिभा राय की गरिमामयी उपस्थिति रही. वनमाली कथाशीर्ष सम्मान वरिष्ठ लेखिका मृदुला गर्ग को और राष्ट्रीय वनमाली कथा सम्मान अलका सरावगी को प्रदान किया गया. दोनों को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और एक लाख रुपये की सम्मान राशि से अलंकृत किया गया. इसके अतिरिक्त महेश दर्पण को कथा आलोचना सम्मान, उर्मिला शिरीष को मध्यप्रदेश सम्मान, कुणाल सिंह को युवा कथा सम्मान, यतीन्द्र मिश्र को कथेतर सम्मान तथा अंजूम शर्मा को डिजिटल साहित्य अवदान सम्मान प्रदान किया गया.

फिल्म प्रदर्शन, वनमाली वार्ता का लोकार्पण

कार्यक्रम में वनमाली कथा पत्रिका के नए अंक और वनमाली वार्ता का लोकार्पण भी किया गया. साथ ही वनमाली जी के कृतित्व पर केंद्रित लघु फिल्म और विश्व रंग के वैश्विक आयोजनों पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन भी हुआ. इस दौरान समारोह में साहित्यकारों, शिक्षाविदों और युवा पाठकों की बड़ी उपस्थिति रही.

गरीबों के हितों को प्राथमिकता दें : पटेल

राज्यपाल ने दुधारू पशु प्रदाय योजना की समीक्षा की

भोपाल, 24 फरवरी. राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मुख्यमंत्री दुधारू पशु प्रदाय योजना सबसे गरीब के जीवन में खुशहाली लाने का उपक्रम है. योजना की प्रक्रियाओं और क्रियान्वयन में गरीब के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए. उनके हितों की अनदेखी सहन नहीं की जाएगी.

राज्यपाल मंगलवार को पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री दुधारू पशुप्रदाय योजना के संबंध में लोकभवन में चर्चा कर रहे थे. बैठक का आयोजन जनजातीय प्रकोष्ठ द्वारा किया गया था. इस अवसर पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पशुपालन एवं डेयरी विकास लखन पटेल, जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक खांडेकर, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास उमाकांत उमराव, जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

राज्यपाल ने कहा कि योजना अति पिछड़ी और गरीब पीवीटीजी जनजातियों बैगा, भारिया एवं सहरिया के कल्याण के लिए क्रियान्वित है. इस योजना की प्रक्रियाओं और क्रियान्वयन में पारदर्शिता, तत्परता के साथ ही संवेदनशील मनोभाव का होना भी जरूरी है. उन्होंने कहा है कि पीवीटीजी जनजातीय जनसंख्या वाले सभी जिलों को योजना के दायरे में लाया जाना चाहिए.

राज्यपाल को बताया गया कि सभी दुग्ध समितियों तथा संघों के द्वारा माह में 10-10 दिन के अंतराल पर तीन निश्चित तिथियों पर भुगतान की व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है. मिल्क रूट तथा परिवहन की सुगमता वाले ग्रामों में प्राथमिकता के आधार पर हितग्राहियों के चयन के साथ ही आवश्यकतानुसार अन्य ग्रामों में भी हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा सकेगा. हितग्राहियों को प्रदाय पूर्व तीन दिवस प्रशिक्षण दिया जाता है.

एक नजर में

विज्ञान से जाग रहा जिज्ञासा का उजाला

भोपाल, 24 फरवरी. विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है बल्कि हमारे आसपास की हर घटना में मौजूद है. यह बात आंचलिक विज्ञान केंद्र में डॉ. सीवी रमन द्वारा खोजे गए रमन प्रभाव की स्मृति में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम में कही गई. 22 फरवरी से जारी इस कार्यक्रम का समापन 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के दिन किया जायेगा. इस दौरान केंद्र में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं. इस साल कार्यक्रम की थीम वीमेन इन साइंस कैटालाइजिंग विकसित भारत रखी गई है. जिसका आयोजन नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम्स के तत्वावधान में किया जा रहा है. सप्ताहभर चलने वाले इस आयोजन में सक्रिय पदार्थ विषय पर स्मृति व्याख्यान के साथ विज्ञान बनाम चमत्कार, रासायनिक कौतूहल और द्रव नाइट्रोजन आधारित प्रयोग जैसे आकर्षक प्रदर्शन किये जायेंगे. छात्रों ने मंगलवार को स्टीम साबुन बुलबुला कार्यशाला में विज्ञान को किताबों से निकलकर अपने हाथों में महसूस किया. वहीं साबुन के बुलबुलों के जरिए सतही तनाव, प्रकाश का व्यतिकरण, रंगों के निर्माण और न्यूनतम सतह जैसे सिद्धांतों को सरल प्रयोगों से समझा. जिसमें बच्चों ने खुद बुलबुले बनाकर उनके रंगों में छिपे विज्ञान को खोजते का प्रयास किया. इससे पहले के दिनों में सनस्पॉट्स के सुरक्षित दूरबीन अवलोकन और आकाश दर्शन ने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष की दुनिया से जोड़ा. साथ ही विभिन्न ईंधनों पर आधारित प्रदर्शन शो ने विज्ञान के व्यावहारिक पक्ष को सामने रखा.

ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन 18 अप्रैल को

भोपाल, 24 फरवरी. जिझौतिया ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम सेना मप्र एवं ब्राह्मण एकता अस्मिता सहयोग संस्कार मंच के सहयोग से सर्व ब्राह्मण युवा-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 18 अप्रैल को सुबह 10 बजे से किया जाएगा. यह सम्मेलन मानस भवन, गुफा मंदिर परिसर में होगा. सम्मेलन में विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय कराया जाएगा. संदीप तिवारी और राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम में विवाह योग्य लड़के-लड़कियों की जानकारी से युक्त एक वैवाहिक पुस्तिका का विधिवत विमोचन भी किया जाएगा. आयोजकों ने समाज के सभी बंधुओं से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों का बायोडाटा निर्धारित फॉर्मेट में भरकर 5 अप्रैल से पूर्व जमा कराएं. बायोडाटा के साथ पूर्ण जानकारी एवं एक रंगीन फोटो देना अनिवार्य होगा. बायोडाटा मोबाइल नंबर: 7000665864 पर संपर्क कर ईमेल आईडी: jijhotiyabrahmin 2020@gmail.com पर भेज सकते हैं. यह आयोजन अखिल भारतीय स्तर का होगा. कार्यक्रम स्थल पर कुंडली मिलान की व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी. इस संबंध में एक बैठक हनुमान मंदिर पंपापुर हर्षवर्धन नगर में हुई. कार्यक्रम की अध्यक्षता गौरी शंकर शर्मा गौरीश ने की. बैठक में राकेश चतुर्वेदी, संदीप तिवारी प्रेम गुरु, डॉ. श्रीकांत अवस्थी, सुनील पांडे, पुष्पेंद्र दीक्षित, सुनील उपाध्याय, अजय मिश्रा, महेंद्र शर्मा, नरेश तिवारी, राजेश बबेले, संतोष भट्ट, सतीश पुरोहित आदि उपस्थित रहे.

वधू श्रृंगार से निखरी राज्यों की सांस्कृतिक झलक

आंनद विहार कॉलेज के वार्षिक उत्सव उजास में हुईं कई प्रतियोगिताएं

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 फरवरी. आनंद विहार कॉलेज फॉर वूमेन में मंगलवार को वार्षिकोत्सव उजास-2026 के तीसरे दिन फोटो बूथ निर्माण, पॉट डेकोरेशन और वधु श्रृंगार जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई.

जिसमें छात्राओं ने बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. छात्रों ने फोटोबूथ निर्माण प्रतियोगिता में नवाचार और रचनाशील सेल्फी फ्रेम बनाए. साथ ही पॉट डेकोरेशन में छात्राओं ने मटकी पर आकर्षक सजावट करके उसे न्य स्वरूप दिया. महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मधु मिश्रा ने उजास की सभी प्रतियोगिताओं की सफलता के लिए छात्राओं और सभी स्टाफ को बधाई दी. बता दें उजास के तहत 26 फरवरी को फिल्म अभिनेता राजीव वर्मा के मुख्य आतिथ्य में वार्षिक उत्सव का समापन किया जायेगा. जिसमें सभी विजेता छात्राओं को पुरस्कार वितरण कर कई नवीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी.

प्रतियोगिता में 28 छात्राओं ने की भागीदारी

उजास के तीसरे दिन की सबसे अहम वधु श्रृंगार प्रतियोगिता में छात्राओं ने खुद को मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, तेलुगु, कन्नड़ वधुओं का श्रृंगार से तैयार किया. जिसमें कुल 28 छात्राओं ने अपनी भागीदारी दी. तैयार दुल्हनों में महराष्ट्र से लेकर तमिल तक के सांस्कृतिक परिधान और रूप शैली की चमक दिखाई पड़ी. इस अवसर पर वनिता समाज की प्रेसिडेंट अर्चना बागची, चेयरपर्सन मधु सरन, सेक्रेटरी जीवन राव आदि मौजूद थे.

दर्शकों व मंच के बीच पिरोई एकाग्रता की डोर

भोपाल, 24 फरवरी. प्राचीन मंदिरों की भव्य पृष्ठभूमि में सजी 52वें अंतरराष्ट्रीय खजुराहो नृत्य समारोह की संध्या एक बार फिर भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविध रंगतों से आलोकित हुई. जिसमें कथक, ओडिसी और मोहिनीअट्टम की प्रस्तुतियों ने दर्शकों की आंखों और मंच के बीच एकाग्रता की एक डोर सी पिरो दी. शाम का आरंभ दिल्ली की शिंजनी कुलकर्णी की कथक प्रस्तुति से हुआ.

कालका बिंदादिन परंपरा की प्रतिनिधि कलाकार ने धमार ताल से शुरुआत कर लखनऊ घराने की भाव सौंदर्य परंपरा को जीवंत कर दिया. वहीं परन और तिहाइयों की

सधी प्रस्तुति ने दर्शकों से खूब सराहना बटोरी.

ओडिसी में परंपरा और प्रयोग

पद्मश्री इलियाना चितारिस्ती ने ओडिसी की प्रस्तुति दी. जिसमें गंगा स्तुति से आरंभ कर उन्होंने शुद्ध नृत्य और समकालीन विषयों को संतुलित ढंग से मंचित किया. साथ ही स्त्री शक्ति और न्याय के भावों पर आधारित रचनाओं ने प्रस्तुति को और अधिक गहनशील बना दिया.

मोहिनीअट्टम की प्रस्तुति

अंतिम प्रस्तुति पद्मश्री कलामंडलम क्षेमावेथी की रही. जिसमें उन्होंने मोहिनीअट्टम की मृदुल देह चाल और भक्ति रस से ओतप्रोत दशावतारम् से वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया.

मानव संग्रहालय में पवित्र वनों पर राष्ट्रीय कार्यशाला आज

भोपाल. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 25 फरवरी से भारत के पवित्र वन विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ होगा. कार्यशाला 1 मार्च तक चलेगी. इसमें देशभर के विशेषज्ञ इसमें भाग लेंगे. उद्घाटन सत्र में पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक सुभाष चंद्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थितरहेंगे. संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे स्वागत संबोधन देंगे. पूर्व निदेशक प्रो. केके मिश्र भारत में पवित्र पारिस्थितिकी विषय पर मुख्य वक्तव्य देंगे.

एनएसएस के विशेष शिविर का समापन

भोपाल, 24 फरवरी. भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइ (एनएसएस) द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष इकाई शिविर का समापन हो गया.

प्रात: प्रभात फेरी, पीटी एवं योग के साथ शुरुआत हुई. प्रात: 10:30 बजे बौद्धिक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार श्रोति क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय निदेशालय मप्र-छग एवं डॉ. राजकुमार वर्मा युवा अधिकारी, भारत सरकार उपस्थित रहे. दोनों वक्ताओं ने स्वयंसेवकों को सेवा, नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण हेतु प्रेरित किया. इसी अवसर पर माय भारत पोर्टल पर संचालित माय भारत बजट क्वेस्ट में भी स्वयंसेवकों की सहभागिता कराई गई.

समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फादर जॉन पी. जे. उपस्थित थे. मुख्य अतिथियों के रूप में डॉ. अनंत कुमार सक्सेना कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, राहुल सिंह परिहार ईटीआई प्रशिक्षक, कार्यक्रम अधिकारी मुक्त इकाई बीयू एवं अक्षय तिवारी प्राध्यापक कार्यक्रम अधिकारी, शासकीय महाविद्यालय कुरवाई थे.

समारोह का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण से हुआ. तत्पश्चात लक्ष्य गीत, शिविर प्रतिवेदन एवं विभिन्न राज्यों के लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी गई. अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित कर बी एवं सी प्रमाणपत्र तथा सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किए गए.

नंदीश्वर जिनालय में प्रतिमाओं का अभिषेक

भोपाल, 24 फरवरी. नंदीश्वर जिनालय में अष्ट द्रव्य अर्पित कर श्री सिद्ध चक्र विधान की अर्चना की गई.

राजधानी के मंदिरों में श्रद्धालु भगवान सिद्ध की आराधना में लीन हैं. नंदीश्वर जिनालय में जिन प्रतिमाओं का अभिषेक हुआ. गाजे-बाजे के साथ घट यात्रा निकली. प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि ध्वजारोहण एडवोकेट प्रमोद ऊषा चौधरी परिवार द्वारा किया गया. संचालन डॉ. सर्वज्ञ ने किया. जिनालय में निरंतर जाप हो रही है.

युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन कल

भोपाल. राजधानी में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जो गुरुवार 26 फरवरी को एमके पोडा कॉलेज न्यू चौकसे नगर, लाम्बाखेडा बैरसिया रोड पर किया जाएगा, जिसमें युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रैंटिसशिप के लिए आवेदन बुलाए गए हैं. जिला रोजगार अधिकारी स्वप्निल श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं अपना बायोडाटा सहित साक्षात्कार के लिए उपस्थित हो. युवा संगम रोजगार मेले में सेल्स मार्केटिंग, मशीन आपरेटर, इंश्योरेंस एडवाइजर, टीचर के रिक्त के लिए भर्ती की जाएगी.

मैनिट में ई-साइकिल की हुई शुरुआत

ग्रीन कैंपस की ओर कदम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 फरवरी. मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) ने ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देते हुए मंगलवार को परिसर में ई साइकिल पहल की औपचारिक शुरुआत की.

कार्यक्रम में भोपाल स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंजू अरुण कुमार और मैनिट के निदेशक प्रो करुणेश कुमार शुक्ला की मौजूदगी में ई साइकिलों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. इस पहल के तहत इलेक्ट्रॉनिक बैटरी और मैकेनिकल दोनों प्रकार की साइकिलें छात्रों, प्राध्यापकों और कर्मचारियों के लिए परिसर में उपलब्ध कराई गई हैं ताकि कैंपस के भीतर आवागमन सुगम और पर्यावरण अनुकूल बन सके. इस अवसर पर मुख्य अतिथि अंजू अरुण कुमार ने इसे शहरों के सतत विकास के लिए आवश्यक बताते हुये कहा कि ई साइकिल को अपनाकर मैनिट ने अन्य संस्थानों के सामने सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है और युवाओं में स्वस्थ जीवनशैली के साथ पर्यावरण चेतना को प्रोत्साहित किया है. निदेशक प्रो करुणेश कुमार शुक्ला ने कहा कि संस्थान कैंपस जीवन के हर पहलू में नवाचार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है.

उन्होंने कहा कि ई साइकिल की शुरुआत स्वच्छ और शांत परिसर की दिशा में व्यावहारिक कदम है. जिससे निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी. इस दौरान कार्यक्रम में डीन, विभागाध्यक्ष, छात्र और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. साथ ही कई विद्यार्थियों ने नई साइकिलों पर पहली सवारी कर उत्साह भी व्यक्त किया. छात्रों के अनुसार यह पहल संस्थान को ग्रीन कैंपस मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक जरुरी कदम है, साथ ही बड़े कैम्पस में उन्हें एक जगह से दूसरे जगह आने जाने में सुगमता होगी और मोटर बाइक का इस्तेमाल भी कम होगा.

उपलब्धि | एम्स भोपाल की छात्रा कोमल कथाले को शोध में मिला प्रथम पुरस्कार

ट्रांसजेंडर को नहीं मिलता सम्मानजनक व्यवहार

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 24 फरवरी. एम्स में हाल ही में किए गए एक गुणात्मक अध्ययन में यह जानने की कोशिश की गई कि बड़े और विशेषज्ञ अस्पतालों में ट्रांसजेंडर को किस तरह की स्वास्थ्य सेवाएं मिलती हैं और उनके अनुभव कैसे होते हैं.

इस शोध का उद्देश्य ट्रांसजेंडर के जीवन के वास्तविक अनुभवों को समझना रहा. यह अध्ययन एम्स के कॉलेज ऑफ नर्सिंग की एम.एससी. नर्सिंग की दूसरे वर्ष की छात्रा कोमल कथाले किया. साथ ही देशभर से आये प्रतिभागियों के बीच राष्ट्रीय वैज्ञानिक शोध प्रस्तुति 2026 में कोमल कथाले ने स्नातकोत्तर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया. बता दें यह सम्मेलन सिम्बायोसिस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे द्वारा आयोजित किया गया था.

ट्रांसजेंडर को समाज में गंभीरता से नहीं लिया जाता : शोध में सामले आया कि इलाज के दौरान ट्रांसजेंडर को कई तरह की परेशानियों का

सामना करना पड़ता है. सबसे बड़ी समस्या तो यह मान लेना है कि ट्रांसजेंडर सामान्य जीवन नहीं जी सकता. साथ ही यह मानना कि उसकी पहचान केवल उसके जाति, लिंग या पहनावे से होती है. इस कारण कई बार उन्हें समाज में सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलता और उनकी पहचान को गंभीरता से नहीं लिया जाता. इसके अलावा, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ संवाद में भी कमी पाई गई. सही जानकारी और संवेदनशील बातचीत के अभाव में मरीज असहज महसूस करते हैं.

अस्पतालों में नहीं है संवेदनशील सुविधाएं

शोध के अनुसार कई अस्पतालों में लिंग-संवेदनशील सुविधाएं, जैसे अलग वार्ड या प्रशिक्षित स्टाफ की उपलब्धता नहीं होती है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ जाती हैं. शोध के जरिये ट्रांसजेंडर समुदाय को बेहतर और समान स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए अस्पतालों में जागरूकता, प्रशिक्षण और नीतिगत बदलाव के विषय पर जोर देने की बात कही गई है. विशेषज्ञों के अनुसार सम्मानपूर्ण व्यवहार और संवेदनशील सेवाएं सुनिश्चित करके ही समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा दी जा सकती है.

इनके मार्गदर्शन में हुआ शोध

शोध कार्य डॉ. लिली पोद्दार (एसोसिएट प्रोफेसर, नर्सिंग कॉलेज), डॉ गीता भारद्वाज (असिस्टेंट प्रोफेसर, नर्सिंग कॉलेज) तथा डॉ नीतू मिश्रा (एसोसिएट प्रोफेसर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स भोपाल) के मार्गदर्शन में हुआ.